राष्ट्रीयकृत बैंकों में जमा निक्षेप

1061. **श्री रणजीत सिंह :** क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सितम्बर, 1990 तक राष्ट्रीयकृत बैंकों में किये गये कुल निक्षेपों में से 41.5 प्रतिशत निक्षेप देश के 13 शहरों में किये गये थे ;

(ख) यदि हां, तो इस अवधि के दौरान इन शहरों में स्थित राष्ट्रीयकृत बैंकों द्वारा कितनी ऋण-राशि दी गई थी ;

(ग) इस अवधि के दौरान दी गई यह ऋण राशि राष्ट्रीयकृत बैंकों द्वारा दी गई कुल ऋण राशि का कितना प्रतिशत थी ;

(घ) क्या सरकार बैंकों द्वारा अति सीमित क्षेत्र में अधिकांश ऋण देने की वर्तमान स्थिति में परिवर्तन लाने के लिए कोई विशेष कार्य योजना तैयार करने का विचार रखती है ; और

(ङ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

वित्त मंत्रालय में उप मंत्री और विदेश मंत्रालय में उप मंत्री (श्री दिग्विजय सिंह) : (क) सितम्बर, 1990 के अंतिम शुक्रवार की स्थिति के अनुसार 13 प्रमुख शहरों (बम्बई, दिल्ली, कलकत्ता, मद्रास, बंगलौर, हैदराबाद, अहमदाबाद, लखनऊ, पुणे, कानपुर, चंडीगढ़, पटना और बड़ोदरा) में सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की कुल जमाराशियां 75,392 करोड़ रुपए थी जो अखिल भारतीय बैंक जमाराशियों का 41.5 प्रतिशत बैठती है ।

(ख) सितम्बर, 1990 के अन्तिम शुक्रवार की स्थिति के अनुसार उक्त 13 शहरों में सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की शाखाओं द्वारा दिये गये ऋण 58,891 करोड़ रुपए के थे ।

(ग) उपरोक्त 13 शहरों में बकाया ऋण राशि सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंको के कुल ऋण राशि का 50.1 प्रतिशत बैठता है ।

(घ) और (ङ) भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा बैंकों को यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि ऋण वितरण में विभिन्न राज्यों के बीच क्षेत्रीय असमानताओं को दूर किया जाए और कमी वाले क्षेत्रों में सभी उत्पादक और अर्थक्षम प्रस्तावों को ऋण की उपलब्धता में वृद्धि करने के कारगर कदम उठाये जाएं। बैंकों की अपनी-अपनी ग्रामीण और अर्ध-शहरी शाखाओं के लिए 60 प्रतिशत का ऋण जमा अनुपात प्राप्त करने के अनुदेश दिये गये हैं ।

देश में चल रहे विदेशी बैंकों में जमा राशि और राष्ट्रीयकृत बैंकों में जमा राशि का अनुपात

1062. **डा० जितेन्द्र कुमार जैन :**
श्री बलराम सिंह यादव :

क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिसम्बर, 1990 के अंत तक देश में चल रहे विदेशी बैंकों में जमा राशि राष्ट्रीयकृत बैंकों में जमा राशि की तुलना में अधिक थी ;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या सरकार ने वर्तमान स्थिति को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीयकृत बैंकों के कार्यकरण में सुधार करने के लिए कोई विशेष हिदायतें जारी की हैं ; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

वित्त मंत्रालय में उप मंत्री और विदेश मंत्रालय में उप मंत्री (श्री दिग्विजय सिंह) : (क) और (ख) 28 दिसम्बर, 1990 की स्थिति के अनुसार राष्ट्रीयकृत बैंको और भारत में कार्यरत विदेशी बैंकों